ikB
12

आसमान गिरा

गरमी का मौसम था। नीलू खरगोश पेड़ के नीचे सोया हुआ था। अचानक उसे धम्म की आवाज सुनाई दी। खरगोश डर गया। नींद में ऊँघते हुए वह तुरंत वहाँ से दौड़ा। नीलू ने दौड़ते हुए इधर–उधर देखा मगर उसे कुछ दिखाई नहीं दिया। उसे लगा आसमान गिर रहा है।

भागते–भागते उसे एक लोमड़ी मिली। उसने पूछा, खरगोश भाई, कहाँ भागे जा रहे हो? ज़रा सुनो तो।

खरगोश भागते–भागते बोला, आसमान गिर रहा है। भागो–भागो! जल्दी भागो। लोमड़ी भी भागने लगी। आगे जाकर उन्हें एक भालू मिला। भालू बोला, ठहरो–ठहरो! कहाँ भागे जा रहे हो?

खरगोश और लोमड़ी एक साथ बोले, आसमान गिर रहा है। भागो तुम भी भागो।

भालू भी उनके साथ भागने लगा।

खरगोश, लोमड़ी और भालू भागते–भागते एक हाथी के पास से निकले। हाथी बोला, अरे! सब क्यों भाग रहे हो? ठहरो, कुछ बताओ तो।

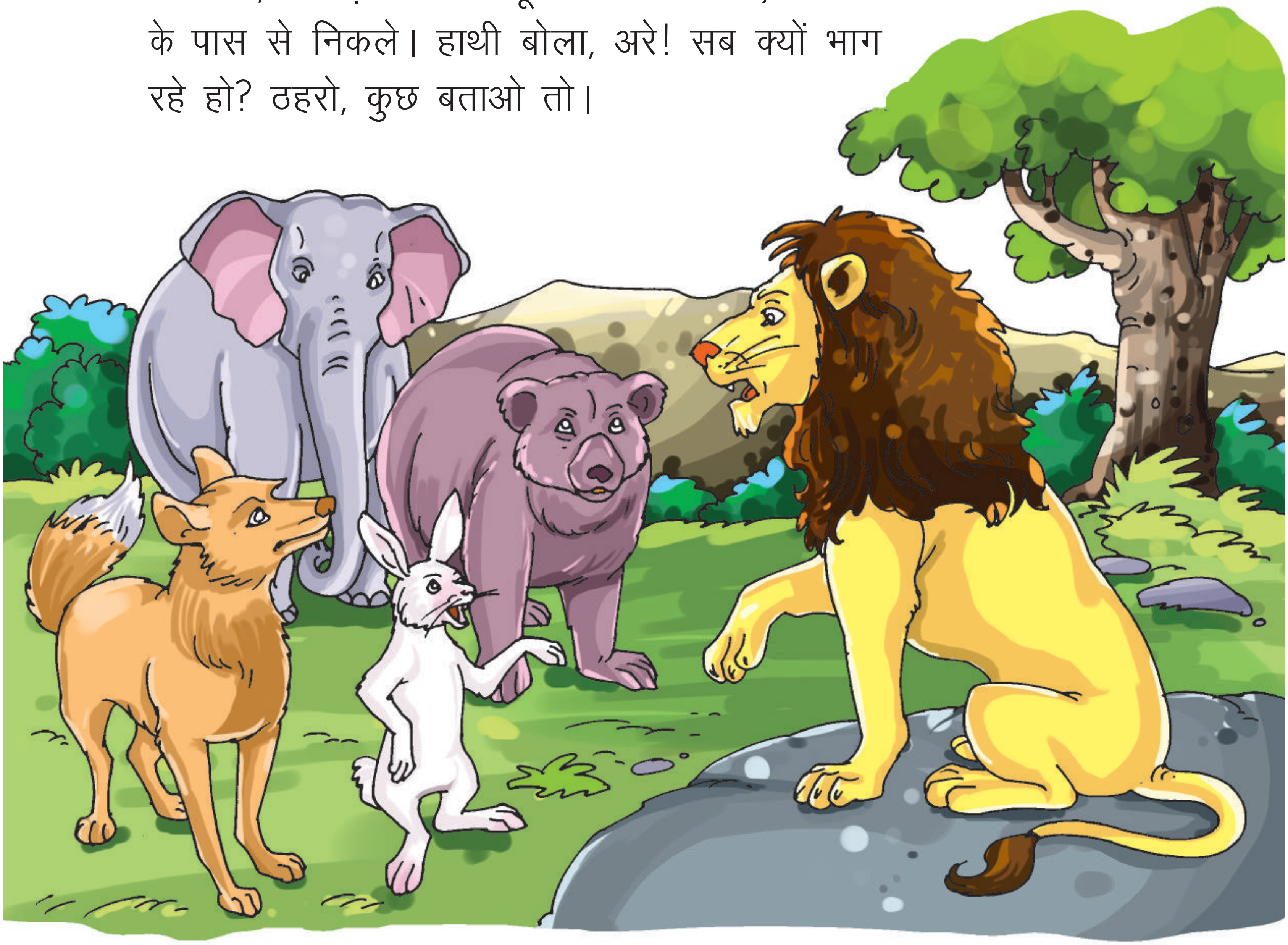

भालू बोला, आसमान गिर रहा है, तुम भी भागो। हाथी भी भागने लगा।

सब भाग रहे थे, आगे–आगे खरगोश, उसके पीछे लोमड़ी, फिर भालू और सबसे पीछे हाथी।

भागते–भागते उन्हें एक शेर मिला। उसने पूछा, तुम सब क्यों भागे जा रहे हो?

हाथी बोला, आसमान गिर रहा है, तुम भी भागो।

शेर ने दहाड़ते हुए कहा, आसमान गिर रहा है? कहाँ गिर रहा है? रुको। यह सुनकर सभी जानवर रुक गए। शेर ने पूछा, किसने कहा, आसमान गिर रहा है?

हाथी बोला, भालू ने कहा।

भालू बोला, लोमड़ी ने कहा।

लोमड़ी बोली, मुझसे खरगोश ने कहा।

खरगोश चुप रहा।

शेर बोला, कहो खरगोश! कहाँ गिर रहा है आसमान? खरगोश ने कहा, मैं पेड़ के नीचे सो रहा था। वहीं धम्म से आसमान गिरा। शेर ने कहा, चलो, चलकर देखें।

सब पेड़ के पास गए। सबने पेड़ के नीचे देखा। वहाँ एक बड़ा–सा फल गिरा पड़ा था। तभी वैसा ही एक और फल गिरा, धम्म! खरगोश चौंक पड़ा।

शेर बोला, तो यही तुम्हारा आसमान था! लो, फिर आसमान गिरा, भागो!

और सभी हँसने लगे।

अभ्यास

1- vkb,] ‘kCnk d vFk tku&

- अचानक – एकाएक
- आसमान – आकाश
- ऊँघते – आधी नींद से
- जल्दी – शीघ्र
- फुसलाकर – बहलाकर
- तुरंत – शीघ्र

2- ikB l&

(क) पेड़ के नीचे कौन सोया हुआ था?

____

(ख) अचानक कैसी आवाज आई?

____

(ग) खरगोश की बात सुनकर किस–किस ने भागना शुरू किया?

____

(घ) शेर की बात सुनकर सभी क्यों हँसने लगे?

____

3- vkidh ckr&

(क) सोचकर बताएँ, क्या वास्तव में आसमान गिरा था?

(ख) आपने कौन से जानवर की सवारी की हुई है, और कब?

(ग) चिड़ियाघर में कौन–कौन से जानवर हो सकते हैं? किन्हीं पाँच के नाम बताएँ।

4- i<] ckyu vkj fy[k&

लोमड़ी	______________	आसमान	______________
खरगोश	______________	भालू	______________
चौंककर	______________	हँसना	______________

5- pu vkj Hkj&

(क) लोमड़ी के पीछे ______________ भाग रहा था। (भालू/हाथी)

(ख) सबसे आगे ______________ भाग रहा था। (खरगोश/लोमड़ी)

(ग) खरगोश के पीछे ______________ भाग रही थी (लोमड़ी/चीता)

(घ) भालू के पीछे ______________ भाग रहा था। (हाथी/ शेर)

6- okD; cuk,&

(क) जल्दी – धम्म की आवाज सुनकर खरगोश जल्दी भागने लगा।

(ख) आसमान – ______________________________________

(ग) हाथी – ______________________________________

(घ) फल – ______________________________________

(ङ) शेर – ______________________________________

(च) खरगोश – ______________________________________

(छ) लोमड़ी – ______________________________________

7- ox igyh e dN tkuoj fNi g] <<dj fy[k&

बं	द	र	गा
गा	कु	बि	ल्ली
य	ब	क	री
भैं	स	कु	त्ता

____

____

____

____

____

____

cnj dk dystk ¼dqN vkSj i<sa½

बंदर महाशय! रोज़–रोज़ एक ही पेड़ के फल खा कर तुम्हारा जी नहीं ऊबता?
ऊबता तो है।
तो तुम नदी के पार क्यों नहीं जाते? वहाँ बड़े स्वादिष्ट फल हैं।
पर कैसे जाऊँ? मुझे तैरना नहीं आता!
तो क्या हुआ? तुम मेरी पीठ पर चढ़ जाना।
मित्र हो तो तुम जैसा। चलो चलें...
और फिर–
इतनी सुंदर युक्ति पहले कभी क्यों नहीं सूझी?
जब वे नदी के बीचोबीच पहुँचे–
अरे! क्या मुझे डुबाने का इरादा है?
डुबाने का नहीं, मारने का...
लेकिन क्यों! मेरा कसूर क्या है?
कुछ नहीं। मेरी घरवाली तुम्हारा कलेजा खाना चाहती है। इसलिए तुम्हें मरना पड़ेगा।

अगर मुझे जान प्यारी है, तो जल्दी ही उपाय सोचना होगा।
हा–हा! हो–हो! ही–ही! अच्छा मज़ाक रहा, मगरमच्छ!
बकवास बंद! मरने में हँसने की क्या बात है ?
D;k eryc\
मुझे मार भले ही डालो, लेकिन मेरा कलेजा तुम्हारे हाथ नहीं लगने वाला।
हम बंदर बाहर जाते समय अपना कलेजा किसी सुरक्षित जगह पर छिपा देते हैं।
सच! मुझे क्या पता था!

कोई बात नहीं। वापस चलो। मुझे तुम पर दया आ रही है। इसलिए तुम्हें बता दूँ कि मेरा कलेजा कहाँ है ?
?
वहाँ। किनारे पर वह बड़ा–सा पेड़ है न, मैं वहीं रहता हूँ।
हाँ, हाँ, देख रहा हूँ।
मैं कलेजे को सबसे ऊँची डाल पर छिपा कर रखता हूँ। मुझे ले चलो, ताकि तुम्हारे हवाले कर दूँ।
ठीक है?
जैसे ही वे किनारे पर पहुँचे–
बंदर उछल कर पेड़ पर चढ़ गया
मूर्ख कहीं के, अगर मेरा कलेजा मुझसे जुदा होता, तो मैं मर न जाता! वह मेरे भीतर सुरक्षित है। तुम्हारे हाथ हरगिज नहीं लगने का!
मगरमच्छ अपनी भूल पर हाथ मलता रह गया।
समाप्त